चक्रधर समारोह 2024

पद्मश्री देवयानी नई दिल्ली ने दी भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति

रायगढ़

चक्रधर समारोह के 9 वें दिन 15 सितंबर को नई दिल्ली से आई पद्मश्री देवयानी ने भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले ने उनका शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि लुईस मेले की एक डॉक्यूमेन्टरी फिल्म में भरतनाट्यम की सम्मोहक प्रस्तुति से प्रभावित, पेरिस में जन्मी पदमश्री देवयानी ने भारत आकर भरतनाट्यम की विधिवत शिक्षा, महान गुरु के.जी. इलप्पा मुदलियार और कलाईमामनी व्ही.एस.मुत्थुस्वामी पिल्लई से प्राप्त की। आपने लगभग 3000 वर्ष पुरातन भरतनाट्यम नृत्य शैली की खूबसूरती, लयात्मकता और इसमें निहित आध्यात्मिक भक्ति को आत्मसात किया। देवयानी जी ने अपनी प्रथम प्रस्तुति किसी कलामंच पर नहीं, बल्कि 'ए गर्ल फ्रॉम अमेरिका नामक बॉक्स आफिस हिट दक्षिण भारतीय फिल्म में दी। इस फिल्म में आपने चिदम्बरम मंदिर की नर्तकी के मुख्य पात्र का अभिनय किया था। भरतनाट्यम के प्रति देवयानी जी की समर्पित निष्ठा और नृत्य-सौंदर्यबोध ने इस नृत्य को भारत की सीमाओं से परे ले जाते हुए, पूरे विश्व में सौहाद्र्र शांति और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बना दिया। इंग्लैण्ड में भारतीय नृत्य एवं संस्कृति के उन्नयन के लिये फस्र्ट ऐशियन डान्सर आर्टिस्ट एवार्ड इन रेसीडेन्सश् सम्मान से नवाजी गई देवयानी जी डेनमार्क की महारानी के जन्मोत्सव, संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस समारोह, जर्मनी में भारतीय गणतंत्र समारोह सहित फ्रांस, जर्मनी और ग्रीस के प्रतिष्ठापूर्ण आयोजनों और अनेक नृत्य-वर्कशाप, अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार्स का संचालन सहित भारत और विश्व के लगभग सभी प्रमुख देशों के कलामंचों को अपने भरतनाट्यम के नुपूरों से शोभित किया है। आई.एम.एम.टॉप कल्चरल एम्बेसडर एवार्ड फॉर एक्सीलेन्स और नेशनल वीमेन एक्सीलेन्स एवार्ड से सम्मानित देवयानी जी को भारत के राष्ट्रपति द्वारा कला के क्षेत्र में भरतनाट्यम की अद्वितीय उपलब्धियों के लिये पदमश्री से अलंकृत किया गया। कल्चरल एम्बेसडर के भारत में पद्मश्री देवयानी भरतनाट्यम की कल्चरल रूप में प्रतिष्ठित हैं। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनेक पुरस्कारों और सम्मान से नवाजा जा चुका है।

पद्मश्री अनुज शर्मा ने जसगीत और सुमधुर गीतों से श्रोताओं को झुमाया

विधायक व पद्मश्री अनुज शर्मा ने चक्रधर समारोह के नौवें दिन आज मंच पर अपनी टीम के साथ गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने गुरु वंदना से गीत आरम्भ करते हुए छत्तीसगढ़ी में जसगीत गाकर श्रोताओं को अपने साथ जोड़ा और खूब वाहवाही पाई। उनका कार्यक्रम जारी है।

कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ की मोहक प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए दर्शक

नई दिल्ली से चक्रधर समारोह में कार्यक्रम देने पहुंची देश की प्रख्यात कथक नृत्यांगना माया कुलश्रेष्ठ ने सबका मन मोह लिया। उन्होंने 5 वर्ष की आयु में ही अपने पैरों कथक के घुंघरू बांध लिए थे। गुरु डॉ.मोनिका श्रीवास से प्रारंभिक शिक्षा के बाद आपने विधिवत शिक्षा प्राप्त की। कथक में एमए के बाद अभिनय पक्ष की पुष्टता के लिए थिएटर भी किया। सामाजिक सरोकारों से जुड़े होने के कारण इन विषयों को भी उन्होंने अपने नृत्य में स्थान दी है। उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अनेकों सम्मान मिल चुके हैं। देश विदेश में 500 से ज्यादा कार्यक्रम दे चुकी हैं। केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठवले ने उन्हें शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया।

वेदिका ने कथक कर दर्शकों को किया आनंदित, भाव-भंगिमाओं और मुद्राओ ने किया रोमांचित

सांस्कृतिक संध्या में बिलासपुर की वेदिका शरण ने मंच पर भावभंगिमाओं मुद्राओं के साथ आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। रामलीला मैदान में आयोजित चक्रधर समारोह में आज कथक में वेदिका की सुंदर प्रस्तुति ने दर्शकों को आनंदित किया। उन्होंने संगीत की धुन में अपनी कलात्मक नृत्य की अभिनव प्रस्तुति दी। 10 साल की वेदिका शरण 6 वर्ष की आयु से कथक नृत्य में निपुण है। इनकी गुरु अंजली ठाकुर (लखनऊ घराना) है।

सारंगढ़ की कथक नृत्यांगना पलक ने दी अपनी प्रस्तुति

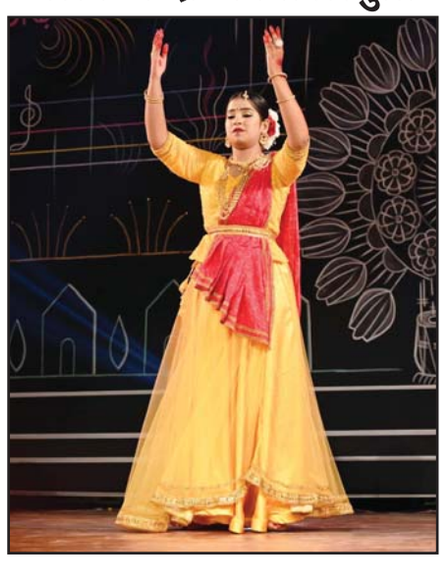

39वें चक्रधर समारोह के आज नौवें दिन समारोह में सारंगढ़ की पलक देवांगन ने बहुत ही खूबसूरत और मनमोहक कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। शिव वंदना के साथ उन्होंने कथक नृत्य किया।

मेवाती घराना रायपुर के प्रदीप कुमार चौबे ने शास्त्रीय गायन की दी प्रस्तुति

रायपुर के पंडित प्रदीप कुमार चौबे ने आज 39 वें चक्रधर समारोह में शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उन्होंने तबले की थाप और सारंगी की धुन के बीच अपने राग से शास्त्रीय गायन की अभिनव प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों/श्रोताओं को एक बेहतरीन गायक से गायन सुनने का अहसास कराया।

रायपुर की भूमिसूता मिश्रा ने ओडिसी नृत्य की दी प्रस्तुति

कार्यक्रम के तीसरी प्रस्तुति में आज रायपुर की भूमिसूता मिश्रा ने ओडिसी नृत्य पर प्रस्तुति दी। उन्होंने ओडिसी नृत्य में अपनी भावभंगिमाओं से दर्शकों का दिल जीत लिया।

राज्यपाल रमेन डेका आज चक्रधर समारोह के समापन में होंगे शामिल

राज्यपाल रमेन डेका 16 सितंबर को चक्रधर समारोह के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे 16 सितंबर की शाम को रायगढ़ पहुंचेंगे। चक्रधर समारोह में शामिल होने के पश्चात वे रात्रि विश्राम रायगढ़ में करेंगे। राज्यपाल रमेन डेका अगले दिन प्रात: 10 बजे से 11.30 बजे तक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेंगे। जिसके पश्चात वे रायपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

समापन समारोह 16 सितम्बर को पद्मश्री डॉ.सुरेन्द्र दुबे एवं डॉ.कुमार विश्वास करेंगे कविता पाठ

सुश्री मानसी दत्ता एवं साथी करेंगी बीहू लोकनृत्य एवं अनिल कुमार गढ़ेवाल गेड़ी लोक नृत्य पर देंगे प्रस्तुति

39 वां चक्रधर समारोह के दसवें दिन समापन समारोह के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें डॉ.कुमार विश्वास, पद्मश्री डॉ.सुरेन्द्र दुबे, दिनेश बावरा, सुदीप भोला एवं साक्षी तिवारी कविता पाठ करेंगे। इसी तरह गुवाहाटी से आ रही मानसी दत्ता एवं साथी बीहू लोकनृत्य पर प्रस्तुति देंगे। बिलासपुर के अनिल कुमार गढ़ेवाल एवं साथी कलाकार गेड़ी लोक नृत्य पर प्रस्तुति देंगे।

चक्रधर समारोह कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

पुरुष वर्ग में खरसिया जनपद व महिला में जिंदल विजेता

❐ संगीत के साथ खेलों के प्रोत्साहन का भी मंच बना चक्रधर समारोह : सांसद राधेश्याम राठिया

रायगढ़

चक्रधर समारोह अंतर्गत तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया मुख्य अतिथि थे। जिंदल फाउंडेशन और अदानी फेडरेशन के बीच महिला वर्ग का रोमांचक फाइनल हुआ। जिंदल फाउंडेशन ने कड़े मुकाबले में अदानी फाउंडेशन को हराया। पुरुष वर्ग में खरसिया जनपद विजेता रही। तमनार जनपद को उन्होंने हराकर ट्रॉफी जीता। तृतीय स्थान संयुक्त रूप से पुसौर जनपद और जिला कबड्डी संघ को प्राप्त हुआ। तीन दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आज समापन था। पुरुष वर्ग में 13 टीमों ने और महिला वर्ग में 7 टीमों ने हिस्सा लिया।

मुख्य अतिथि राठिया ने रामलीला मैदान में आयोजित समारोह में महाराजा चक्रधर और बजरंग बली के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर फाइनल मैच के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आज खुशी का दिन है। महाराजा चक्रधर जी संगीत के साथ खेल प्रेमी भी थे। संगीत के साथ-साथ पारंपरिक खेलों को भी उन्होंने बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि चक्रधर समारोह में ग्रामीण खिलाड़ियों को मंच मिलना गौरव की बात है। इससे खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरेगी। उन्हें राज्य, राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा और जिले की पहचान बढ़ेगी। रायगढ़ को खेल जोन बनाने और धरमजयगढ क्रीड़ा परिसर में पुन: कबड्डी खेल शुरू कराने का भरोसा दिलाया। सांसद राठिया ने विजेता टीमों और खिलाड़ियों को ट्रॉफी और राशि से सम्मानित किया। जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष रघुवीर सिंह वाधवा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई व्यापम की छात्रावास अधीक्षक की परीक्षा : परीक्षा में 19509 परीक्षार्थी रहे उपस्थित

रायगढ़

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल, रायपुर द्वारा 15 सितम्बर 2024 को एक पाली में अपरान्ह 12 से 02.15 बजे तक छात्रावास अधीक्षक पद के लिये भर्ती परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें रायगढ़ जिले में 139 परीक्षा केंद्र विकासखण्ड रायगढ़, पुसौर, खरसिया, घरघोड़ा और तमनार में बनाये गये थे। आज की परीक्षा में रायगढ़ जिले में निर्धारित 139 परीक्षा केंद्रों में कुल 36304 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 19509 परीक्षार्थी उपस्थित एवं 16795 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा वृहद रूप में आयोजित होनी थी, जिसके कारण पूर्व से ही तैयारी पूर्ण कर ली गई थी। केंद्राध्यक्षों और ऑब्ज़र्वर 02 की दो बार प्रशिक्षण समन्वयक संस्था के जी कॉलेज रायगढ़ में दी गई थी। उपरोक्त परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए कलेक्टर रायगढ़ द्वारा महेश शर्मा डिप्टी कलेक्टर, रायगढ़ को नोडल अधिकारी एवं भुवनेश्वर पटेल एपीसी, समग्र शिक्षा को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। साथ ही सभी केंद्रों में सतत निगरानी के लिये सभी परीक्षा केंद्रों में जिला प्रशासन की ओर से एवं समन्वयक संस्था की ओर से एक-एक ऑब्ज़र्वर नियुक्ति की गई थी, परीक्षा केंद्रों में नकल रोकने एवं केंद्रों के निरीक्षण के लिये तृप्ति चंद्राकर नायब तहसीलदार रायगढ़, धनराज सिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर रायगढ़, नरेंद्र कुमार चौधरी, जिला मिशन समन्वयक समग्र शिक्षा, शैलेन्द्र कुमार कर्ण प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रायकेरा, देवेंद्र कुमार वर्मा, परियोजना अधिकारी साक्षर भारत, रेखा चंद्रा डिप्टी कलेक्टर रायगढ़, नेहा उपाध्यक्ष तहसीलदार पुसौर, अभिषेक बनर्जी सीईओ जनपद पंचायत पुसौर, पंकज मिश्रा नायब तहसीलदार पुसौर, लोमश मिरीए तहसीलदार खरसिया, शैलेष कुमार देवांगन बीईओ खरसिया, हिमांशु साहू सीईओ जनपद पंचायत खरसिया, ऋचा सिंह तहसीलदार तमनार और रश्मि पटेल, नायब तहसीलदार तमनार के नेतृत्व में गठित 03 सदस्यीय उड़नदस्ता दल द्वारा परीक्षा केंद्रों का सघन निरीक्षण किया गया। किसी भी केंद्र से कोई नकल प्रकरण की कोई सूचना प्राप्त नही हुई।

शास्त्रीय संगीत को जीवित रखना हम सबकी जिम्मेदारी -केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले

❐ सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री आठवले 39वें चक्रधर समारोह में हुए शामिल

❐ रायगढ़ को बताया संगीत का गढ़, राजा चक्रधर के योगदान को अविस्मरणीय बताया

रायगढ़

39वें चक्रधर समारोह में आज भारत सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास आठवले, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय विभाग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में दीप प्रज्वलित कर उन्होंने मंच से लोगों को संबोधित किया और कहा कि संगीत के क्षेत्र में रायगढ़ की पहचान है। रायगढ का नाम देशभर में फैले इसके लिए हम सभी को शास्त्रीय संगीत को जीवित बनाये रखना है। उन्होंने वर्तमान में बन रही फिल्मों और गीत संगीत की परवाह न करते हुए शास्त्रीय संगीत को जीवित रखने की दिशा में इस तरह के आयोजनों को महत्वपूर्ण बताया। मंत्री आठवले ने शास्त्रीय संगीत को आगे बढ़ाने और उन्हें पहचान दिलाने में राजा चक्रधर के योगदान को अविस्मरणीय बताया और कहा कि संगीत हमारे देश का सुनहरा तारा है। संगीत से किसी का दिल जीता जा सकता है। संगीत प्रेरणा देती है और इससे भविष्य निर्माण की शक्ति मिलती है। जीवन आनंदमय होकर आगे की ओर बढ़ता है।

केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने राजा चक्रधर के संगीत के क्षेत्र में योगदान की प्रशंसा की और कहा कि अपनी संगीत विद्या तथा ग्रंथों की रचना से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उन्होंने राजा चक्रधर के विजन को आगे ले जाने की दिशा में आगे बढ़ने और उनके सपनों को पूरा करने के लिए सभी के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। केंद्रीय राज्यमंत्री आठवले ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने देश का संविधान लिखा और सभी समाज को समान रूप से आगे बढ़ाने का काम किया। हम उनको धन्य मानते हैं वे सबसे बड़े लोकतंत्र के महामानव है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार देश को विकास के रास्ते मे ले जाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। आदिवासी, दलित, पिछड़े वर्ग सहित सभी समाज के लिए योजनाएं बनाकर उन्हें विकास से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने संगीत के क्षेत्र में प्रशिक्षित मर्मज्ञों को स्मरण करते हुए राजा चक्रधर को आदरांजलि अर्पित की तथा रायगढ़ के राज्य सभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल सहित रायगढ़ एवं छत्तीसगढ़वासियों की प्रशंसा की। इस अवसर पर लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, कलेक्टर कार्तिकेया गोयल, पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल आदि उपस्थित थे।

यह गर्व की बात है कि आदिवासी राजा ने रायगढ़ घराने की रचना की

समारोह को संबोधित करते हुए रामदास आठवले ने कहा कि यह विस्मय और गर्व की बात है कि एक आदिवासी राजा महाराज चक्रधर सिंह ने कथक का चौथा घराना, रायगढ़ घराना की रचना की। शास्त्रीय नृत्यों-संगीत के इतिहास में महाराजा चक्रधर सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। उनका लगाव संगीत के अलावा साहित्य और खेलों में था। उन्होंने संगीत के अनमोल ग्रंथो की रचना की। उनके बोए संगीत का यह पौधा अब चक्रधर समारोह के आयोजन से देश-विदेश तक विशाल सांस्कृतिक वृक्ष के रूप में परिवर्तित हो गया है। मुझे यहाँ आकर ऐसा महसूस हो रहा है कि मैं एक सांस्कृतिक कुंभ में एक तीर्थ यात्रा में आया हूँ और मेरी कोशिश होगी कि आगे भी यहाँ आता रहूँगा।

अपनी रचना और संगीत के प्रति योगदान से राजा चक्रधर अमर हो गए-राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह

समारोह को संबोधित करते हुए राजा चक्रधर सिंह के पोते और राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि यब बहुत ही सौभाग्य की बात है कि चक्रधर समारोह में पहली बार केंद्रीय मंत्री के रूप में रामदास आठवले जी आए हैं। दिल्ली में उनसे मिलकर मैं बहुत प्रभावित हुआ और देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी उनके कायल है। वे वरिष्ठ सांसद है और आदिवासी, दलित तथा पिछड़े वर्गों के मुद्दों को संसद में उठाते हैं। उन्होंने मंच से लोगों को बताया कि उनके दादा संगीत प्रेमी थे। समय के साथ मूल अस्तित्व को खोती जा रही भारतीय संस्कृति व कला को जीवित रखने की दिशा में उन्होंने अनेक साहित्य की रचना की। उनके संगीत के प्रति योगदान को देखते हुए चक्रधर समारोह का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। उनके नाम पर पुरस्कार है। राज्यसभा सांसद सिंह ने कहा कि देश में अनेक गोड़ राजा थे। जो न जाने कहाँ विलुप्त हो गए। संगीत के प्रति योगदान और अपने कार्यों से राजा चक्रधर सिंह अमर हो गए।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक तथा संपादक सी.बी.वर्मा द्वारा न्यायसाक्षी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 327, वार्ड नं. 24, श्रीराम कॉलोनी स्टेडियम के पीछे रायगढ़ से मुद्रित एवं प्रकाशित फोन 07762-२21359 पी.आर.बी. अधिनियम के तहत् खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार ई-मेल - nyaysakshi@gmail.com- www.nyaysakshi.com, RNI NO :- CHHHIN/2018/76480